पराग 2

पाठ 1. श्रम की पूजा

मौखिक कार्य

(क) 1. श्रम की पूजा करने से मनुष्य आगे बढ़ता जाता है।
2. कवि ने श्रम के धन को सच्चा धन बताया है।
3. श्रम करने से तन स्वस्थ, मन आत्मविश्वासी रहता है तथा संसार में आदर भी मिलता है। इसलिए श्रम करना आवश्यक है।

लिखित कार्य

(ख) 1. मेहनत से घबराने वाले व्यक्ति कभी मंज़िल नहीं पाते।
2. परिश्रम से सभी कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है।
3. श्रम की विशेषता है कि यह कभी व्यर्थ नहीं जाता। परिश्रमी व्यक्ति संसार में आदर का पात्र होता है।
4. श्रम से कतराने वाले लोग असफल हो जाते हैं तथा श्रम न करने के लिए जीवन भर पछताते हैं।

(ग) बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें। कविता कंठस्थ करने के बाद बच्चे स्वयं पंक्तियाँ पूरी करें।

(घ) 1. पूजा 2. शर्म 3. पर्वत 4. शीश 5. तूफाँ 6. जीवन

(ङ) 1. जाते 2. खाते 3. लाते 4. रखते

(च) 1. पहाड़ 2. बेकार 3. बचते 4. सिर

रचनात्मक कार्य

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. ऐसे थे बापू

मौखिक कार्य

(क) 1. महात्मा गांधी को लोग प्यार से बापू कहकर पुकारते हैं।
2. गांधी जी धोती पहनते थे।
3. गांधी जी को सारे देशवासियों की चिंता थी।

लिखित कार्य

(ख) 1. बच्चे ने गांधी जी से पूछा कि वे केवल धोती क्यों पहनते हैं, क्या उनके पास कोई कुर्ता नहीं है।
2. बच्चे ने अपनी माँ से कुर्ता सिलवाने की बात कही।
3. गांधी जी ने देश के सारे लोगों को अपना भाई-बहन बताया।
4. गांधी जी ने बच्चे को समझाया कि हमारा भारत गुलाम है। गुलामी के कारण यहाँ के अनेक लोग बहुत गरीब हो गए हैं। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं जिनके पास न तो खाने को भोजन है और न पहनने को कपड़े। इसीलिए मैं सारे देशवासियों की चिंता करता हूँ।
5. बच्चे ने मन-ही-मन ठान लिया कि वह बड़ा होकर देश की सेवा करेगा।

(ग) 1. आज़ाद 2. धोती 3. गरीब 4. चिंता 5. देश

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें। इसे करते समय शब्द का शुद्ध उच्चारण भी करें। इससे बच्चों का उच्चारण शुद्ध होगा। उनका मात्रा ज्ञान भी बढ़ेगा।

(ङ) 1. गुलामी 2. आज़ादी 3. परेशानी 4. हैरानी 5. गरीबी 6. धनी

(च) इसे बच्चे स्वयं करें। इससे बच्चे शुद्ध वाक्य बनाना सीखेंगे। शब्दों के अर्थ उन्हें ध्यान रहेंगे। वे भावों को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।

रचनात्मक कार्य

(छ) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चों के साथ कक्षा में गांधी जी के विषय में चर्चा करें।
- गांधी जी के योगदानों पर चर्चा करें।
- उनके चरित्र व स्वभाव की विशेषताएँ बच्चों को बताएँ।
- बच्चों को उनसे संबंधित कोई फ़िल्म भी दिखा सकते हैं।

पाठ 3. आलसी कौआ

मौखिक कार्य

(क) 1. कौआ, भालू और गिलहरी।
2. खेती करने का विचार कौए का था।
3. कौए के हिस्से में कुछ नहीं आया क्योंकि सारा अनाज बरसात आने के कारण पानी में बह गया।

लिखित कार्य

(ख) 1. कौए ने गिलहरी और भालू से कहा कि आओ हम सब मिलकर खेती करें। जो पैदा होगा तीनों आपस में बाँट लेंगे। दोनों को कौए की यह बात पसंद आई।
2. भालू हल लेकर आया।
3. जब गिलहरी ने बीज बोने के लिए चलने को कहा तो कौए ने कहा कि तुम दोनों चलो। मैं बहुत थका हुआ हूँ, थोड़ा आराम करके आता हूँ।
4. खेत में पानी देने के लिए भालू और गिलहरी गए।
5. फ़सल पकने पर गिलहरी और भालू अपना-अपना हिस्सा ले आए और कौए का हिस्सा वहीं खेत में छोड़ दिया।

(ग) बच्चों को कहानी के आधार पर क्रम लगाने हैं।
- कहानी का वाचन करने को कहें।
- कहानी याद करने से क्रम का ध्यान रहेगा।

3. 5. 2. 1. 4.

(घ) समझिए और लिखिए।
- बच्चों से एक तथा अनेक की बात करें। जैसे – एक चिड़िया अनेक चिड़ियाँ।
- चित्रों के माध्यम से समझाएँ।

2. पौधे 3. हिस्से 4. गिलहरियाँ 5. रोटियाँ 6. गलियाँ 7. रातें

(ङ) शब्दों का उच्चारण सस्वर करवाएँ।

(च) फ़ल ✗, फौरन ✗, फ़ाटक ✗, जोर ✗, जेवर ✗, ज़ामुन ✗

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।
- वाक्य रचना का अभ्यास बच्चे की लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करता है।
- बच्चे को दिए गए शब्दों से ऐसे वाक्य बनाने को कहें जो पढ़ी हुई कहानी पर आधारित न हों।
- वाक्य कल्पनाशक्ति को उभारने वाले हों।
- स्वयं छोटे-छोटे वाक्य बनाकर बच्चों को बताएँ। जैसे – बाग में मैंने बहुत सारे फूल देखे।

रचनात्मक कार्य

(ज) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- किसान खेती करता है।
- बढ़ई लकड़ी का सामान बनाता है।

पाठ 4. मुर्गा बोला

मौखिक कार्य

(क) 1. जब सुबह होने वाली होती है तब मुर्गा कुकड़ूँ-कूँ बोलता है।
2. बालक का नाम मुन्ना है।
3. सुबह की हवा ताज़ी होती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. बालक सुबह जल्दी नहीं उठना चाहता है क्योंकि वह रात को देर से सोया था।
2. मुर्गा बालक को सुस्ती छोड़कर बाहर निकलने तथा बाग में टहलने के लिए कह रहा है।
3. रात को जल्दी सोने तथा सुबह जल्दी उठने का नियम बहुत अच्छा है।
4. जो रात को जल्दी सो जाता है तथा सुबह जल्दी उठ जाता है, वह बालक अच्छा है।

(ग) बच्चों ने कविता याद कर ली है, इस बात का प्रमाण इस अभ्यास को करने पर मिलता है। बच्चों के द्वारा किए कार्य को जाँचें व वर्तनी की अशुद्धि होने पर उनसे ही सुधार कार्य करवाएँ।

1. मुर्गा बोला – कुकड़ूँ-कूँ,
जागो मुन्ना – बोला यूँ।
2. धूप ठीक से नहीं चढ़ी,
क्या है जल्दी तुम्हें पड़ी?

(घ) उलटे अर्थ/विपरीत अर्थ वाले शब्द बच्चों को समझाएँ।

- अर्थ को भी स्पष्ट करें।

1. दिन 2. जल्दी 3. बासी 4. बुरा 5. बैठना 6. शाम

(ङ) नाम वाले शब्दों का परिचय बच्चों को दें।

- नाम वाले शब्द हैं – खिलौना, मुर्गा, हवा, कविता, गीता, बच्चा, श्याम।

(च) बच्चों को मात्राओं का ज्ञान कराएँ।

- सही उच्चारण करके शब्द को समझना सिखाएँ।

1. नियम 2. पालन 3. सुबह 4. हवा

रचनात्मक कार्य

(छ) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- प्रत्येक बच्चे से उसकी दिनचर्या के बारे में पूछें।
- बच्चों को बोलने के लिए प्रेरित करें।

पाठ 5. नकलची बंदर (चित्रकथा)

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक/ लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि से बच्चों में संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को कविता याद करने को कहें।
   - हर बच्चा शुद्ध उच्चारणसहित गाकर कविता सुनाए।
   - चार या पाँच बच्चे मिलकर एक साथ भी इस कविता का समूह गान कर सकते हैं।
2. इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे गांधी जी के बारे में जान चुके हैं।
   - अब वे किसी दूसरे महान व्यक्ति के बारे में स्वयं बता सकते हैं।
   - बच्चों को अपने भावों को अभिव्यक्त करने को कहें।
3. इस गतिविधि से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - कहानी पढ़ने के बाद बच्चे आलस्य का परिणाम जान गए हैं।
   - बच्चों को स्वयं बताने दें कि उन्हें आलस्य क्यों नहीं करना चाहिए और आलस्य करने से उनका क्या-क्या नुकसान होगा।
   - इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - वे भाषा को शुद्ध उच्चारणसहित बोलना जान पाएँगे।
4. इस गतिविधि से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी व अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। सभी बच्चों से पूछें कि जल्दी उठना और टहलना अच्छा क्यों होता है।
   - हर बच्चे को बोलने का अवसर दें।
   - उनकी वाक्य रचना व उच्चारण पर ध्यान दें।
   - बच्चे विषय से हटकर न बोलें, इसका ध्यान रखें।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास जागेगा।

(ख) क्रिया-कलाप

1. बच्चे अब तक कई शब्द सीख चुके हैं। बच्चों को खेल के नियम व तरीका बताएँ। बच्चे नए-नए शब्दों को याद करें। दूसरे बच्चों के द्वारा बोले शब्दों पर भी ध्यान दें। खेल के अंत तक बच्चे कई शब्दों से परिचित हो जाएँगे।
2. इस क्रिया-कलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - अध्यापक/अध्यापिका श्यामपट्ट पर चरखे का चित्र बनाएँ।
   - बच्चों को समझाएँ कि किस प्रकार रेखा को मोड़ना है।
   - अगर संभव हो तो चरखे का एक चित्र लाकर बच्चों को दिखाएँ।

- बच्चों की चित्र बनाने में सहायता करें।
- बच्चों की रचनात्मकता को उभारें।

3. इस क्रिया-कलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को संवाद के रूप में इस कहानी को याद करवाएँ।
   - अभिनय कला का थोड़ा-सा ज्ञान बच्चों को दें।
   - किसी एक बच्चे को सूत्रधार भी बनाया जा सकता है।
4. इस क्रिया-कलाप से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी एवं अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इस पर कक्षा में चर्चा करें।
   - बच्चों से प्राप्त जानकारी तथा अपनी जानकारी श्यामपट्ट पर लिखें।
5. मुर्गा देखने में बहुत ही आकर्षक होता है। बच्चे उसके रंगों से बहुत आकर्षित होते हैं। बिंदुओं को जोड़कर बच्चे चित्र को बनाएँ तथा उसमें रंग भरें। बच्चों की सहायता के लिए मुर्गे का चित्र लाकर कक्षा में टाँगें ताकि बच्चे उसमें से देखकर रंगों का चयन कर सकें।

पाठ 6. चलो बाज़ार

लिखित कार्य

(क) इसे बच्चे स्वयं करें

(ख) इसे बच्चे स्वयं करें

(ग) 1. लाल 2. मीठा 3. सफ़ेद 4. हरी

रचनात्मक कार्य

(घ) बच्चों को रंगों से प्यार होता है। ऐसी गतिविधि से बच्चों की पढ़ने में रुचि जागेगी।

- बच्चों को बिंदुओं को मिलाकर चित्र बनाना बताएँ।
- इस प्रयास से बच्चे पेंसिल से सीधी रेखा खींचना जानेंगे।
- उनकी लेखनी सुधारने में यह रचनात्मक कार्य सहायक होगा।

पाठ 7. अनुशासन

मौखिक कार्य

(क) 1. नियमों का पालन करने को अनुशासन कहते हैं।
2. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का पालन करने के अनेक लाभ होते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. प्रत्येक प्राणी के जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है।
2. अनुशासन की शिक्षा हमें प्रकृति की प्रत्येक वस्तु से मिलती है। सूर्य का समय पर निकलना और डूबना, ऋतुओं का समय पर आना, पक्षियों का पंक्तियों में उड़ना तथा चींटियों का कतार में चलना; सभी हमें अनुशासन का पालन करने की सीख देते हैं।
3. अनुशासन का पालन जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है। विद्यालय के खेल के मैदान में, घर में, सड़क पर, दफ़्तर में सभी स्थानों पर अनुशासित रहना ज़रूरी है।
4. विद्यार्थियों को समय पर विद्यालय जाकर, वहाँ के फर्नीचर, पुस्तकों व सफ़ाई आदि पर ध्यान देते हुए अपनी पढ़ाई अच्छी तरह करते हुए अनुशासन का पालन करना चाहिए।

(ग) 1. नियमों 2. ऋतुएँ 3. चींटियाँ 4. संभव

(घ) लाभ-हानि, सफल-असफल, घर-बाहर

(ङ) दौड़ना, पढ़ना, निकलता, लड़ना, चल, उड़ना, सोना तथा रखना काम वाले शब्द (क्रिया) हैं।

रचनात्मक कार्य

(च) बच्चों को प्रकृति में अनुशासन की शिक्षा देने वाली वस्तुओं के विषय में बताएँ जैसे– चाँद, पेड़-पौधे, फूल, हवा, मौसम।

पाठ 8. बोलो बच्चो

मौखिक कार्य

(क) 1. बच्चे रुपयों के पेड़ के निकलने की कल्पना कर रहे हैं।
2. फूँक मारने से यदि हम हवाई जहाज़ चला सकते तो हमें पेट्रोल की ज़रूरत ही न पड़ती और ढेर सारा पैसा बच जाता।
3. परीक्षा देने के लिए हमें दिन-रात पढ़ना पड़ता है।
4. बचपन जी भरकर जीने से बच्चों का मतलब है कि वे पढ़ाई व माता-पिता व अध्यापक/अध्यापिकाओं की अपेक्षाओं से होने वाले तनाव से मुक्त होकर खुशी से खेलते-खाते-पढ़ते।

लिखित कार्य

(ख) 1. बच्चे पेड़ पर रुपये और मोटरगाड़ी उगने की बात सोच रहे हैं।
2. यदि नदी में पानी की जगह पेट्रोल बहने लगे तो पेट्रोल की कमी दूर हो जाएगी और लोगों को सस्ता पेट्रोल मिलने लगेगा।
3. बच्चे दिनभर खेलना-कूदना चाहते हैं।
4. यदि किताबें नहीं पढ़नी पड़तीं और इम्तिहान नहीं देना पड़ता तो बच्चे सारा दिन मौज-मस्ती करते, खाते-पीते, खेलते-कूदते व मज़े उड़ाते।

(ग) बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें। कविता कंठस्थ होने के बाद ही बच्चे पंक्तियाँ पूरी करें। स्मरण-शक्ति व आत्मविश्वास को बढ़ाना ही इस अभ्यास का उद्देश्य है। ध्यान रहे कि बच्चे वर्तनी की अशुद्धि न करें। सुधार कार्य अवश्य कराएँ।
1. नदियाँ पेट्रोल की बहतीं,
तुम क्या करते, हम क्या करते?
2. ऐसे में फिर हम सब बच्चे,
नाच-नाचकर हँसते-फिरते।
3. बचपन जी भरकर हम जीते,
मज़े उड़ाते, मस्ती करते।

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।
- शब्दों को तीन-तीन बार लिखने को कहें।
- लेख पर भी ध्यान दें।
- श्रुतलेख में यही शब्द दें।
- शुद्ध उच्चारण पर ध्यान दें।

(ङ) 2. चल – चली – चले 3. खेल – खेली – खेले
4. खोल – खोली – खोले 5. हँस – हँसी – हँसे

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों द्वारा बनाए वाक्यों को देखें।
- वाक्य सही हों।
- वर्तनी की अशुद्धियाँ न हों।

रचनात्मक कार्य

(छ) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- बच्चे कविता को कंठस्थ करें।
- वे स्पष्ट उच्चारण व हाव-भाव सहित कविता कक्षा में सुनाएँ।
- चार-पाँच बच्चे मिलकर समूह गान के रूप में भी इसे गा सकते हैं।

(ज) बच्चे स्वयं चित्र में रंग भरें। चीज़ों को पहचानने में उनकी सहायता करें।

पाठ 9. सच का इनाम

मौखिक कार्य

(क) 1. बालक गोपाल को केवल एक प्रश्न का उत्तर नहीं आता था।
2. कक्षा में केवल गोपाल ने सभी प्रश्नों के सही उत्तर दिए थे।
3. अपनी प्रशंसा सुनकर बालक गोपाल उठ खड़ा हुआ और रोने लगा।
4. बालक गोपाल इसलिए रोने लगा क्योंकि उसने एक प्रश्न हल करने के लिए अपने सहपाठी से सहायता ली थी।
5. अध्यापक महोदय गोपाल की सच्चाई व ईमानदारी देखकर चकित रह गए।

लिखित कार्य

(ख) 1. बालक गोपाल का पूरा नाम गोपाल कृष्ण गोखले था।
2. बालक गोपाल को एक प्रश्न का उत्तर नहीं आता था। अत: उसे हल करने के लिए उसने अपने सहपाठी की सहायता ली।
3. अध्यापक महोदय ने जब कॉपियाँ जाँची तो उन्होंने पाया कि केवल बालक गोपाल ने ही सारे प्रश्नों के सही हल किए थे।
4. रोते-रोते बालक गोपाल ने बताया कि उसने एक प्रश्न को हल करने में अपने सहपाठी की सहायता ली है इसलिए प्रशंसा उस सहपाठी की होनी चाहिए।
5. अध्यापक महोदय ने बालक गोपाल को जीवन में महान बनने का आशीर्वाद दिया।

(ग) बच्चे पाठ पढ़ चुके हैं।
- उन्हें अपने-आप इसे करने दें।
- कक्षा में चर्चा करते हुए उनसे प्रश्न पूछकर यह आँका जा सकता है कि बच्चों ने पूरा पाठ अच्छी तरह समझ लिया है या नहीं।

1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ 5. नहीं

(घ) 'ऑ' स्वर का उच्चारण बच्चों को बताएँ।
- अंग्रेज़ी शब्दों में प्रयुक्त इस ध्वनि के शब्दों का कक्षा में उच्चारण करवाएँ।
- बच्चों से हर शब्द को तीन-तीन बार पढ़वाएँ।

(ङ) 2. अध्यापक 3. पाठशाला 4. प्रशंसा

(च) 2. हमने 3. तुमने 4. आपने 5. उसने

(छ) इसे बच्चे स्वयं लिखें। बच्चे इन शब्दों को शुद्ध उच्चारणसहित पढ़ते हुए लिखें।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चों को पुस्तकालय या इंटरनेट से आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएँ।

पाठ 10. बूझो पहेली

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक / लिखित अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. अनुशासन का पालन करने से अनेक लाभ होते हैं। अनुशासन का पालन करने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल हो पाता है। अनुशासन से मानव की पूर्ण उन्नति संभव है।
3. इस विषय पर वे कक्षा में चर्चा भी कर सकते हैं।
   - बच्चे उन चीज़ों के नाम लिखें जो उन्हें अच्छी नहीं लगती हैं।
   - बच्चे उनमें क्या-क्या परिवर्तन चाहते हैं। यह भी पूछो।
4. बच्चे अपने प्रिय अध्यापक/अध्यापिका का नाम लिखें। वे उनकी कोई एक विशेषता लिखें। इससे बच्चे अपने भावों को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।
5. इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी तथा तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपने मनपसंद फल के बारे में बताएँ।
   - यह फल उन्हें अच्छा क्यों लगता है, यह भी बताएँ।
   - इससे बच्चों की पसंद व नापसंद का पता चलेगा।
   - अध्यापक/अध्यापिका उन्हें विभिन्न फलों के फ़ायदे बताएँ।
6. इस गतिविधि से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे बाज़ार के दृश्य का वर्णन करें।
   - बच्चे बताएँ कि उन्हें बाज़ार में क्या-क्या अच्छा लगता है।
   - वे बाज़ार में कब और किसके साथ गए।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से इस विषय पर पहले चर्चा करें।

(ख) क्रिया-कलाप

1. बच्चों को अपने उन सहपाठियों के नाम लिखने को कहें जो अनुशासन का पालन नहीं करते।
   - वे अपने उन मित्रों को अनुशासन की शिक्षा किस प्रकार दें, यह भी उन्हें समझाएँ।
   - अपने आसपास के मित्रों व परिचितों के अलावा प्रकृति से भी कुछ उदाहरण लेकर वे बता सकते हैं।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में बच्चों से उनके उत्तर जानें।
   - कुछ मनोरंजक बातें श्यामपट्ट पर लिखें।
   - बच्चों को जो शब्द मुश्किल लग रहे हों उनकी सही वर्तनी श्यामपट्ट पर लिखें।
3. झूठ बोलने वाले लोगों को सच के महत्व से परिचित करवाने को कहें। कुछ ऐसी कहानियाँ उन्हें सुनाएँ जिनमें सच की जीत हुई हो।
4. बच्चों को अपने स्कूल से जुड़ी किसी भी वस्तु का चित्र बनाने को कहें। जैसे – स्कूल की इमारत, अपनी कक्षा, अपने स्कूल का मैदान आदि। बच्चे इसे करते हुए आनंद का अनुभव करेंगे। उन्हें अपनी रुचि के अनुसार चित्र बनाकर उसमें रंग भरने दें।

पाठ 11. सूरज, चंदा और तारे

मौखिक कार्य

(क) 1. सूरज के ताप से जब सागर का जल तपने लगता तो दोनों में नोंक-झोंक होने लग जाती।
2. जब सूरज के ताप से सागर का जल उबलने लगा तो सागर का चेहरा तमतमाने लगा।
3. सूरज और चंदा आकाश में चले गए।
4. सागर का पानी भाप बनकर दूर आकाश में चला जाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. बात उन दिनों की है जब धरती पर सूरज, चंदा और सागर साथ-साथ रहते थे। सूरज के ताप से जब सागर का जल तपने लगता था तो दोनों में खूब नोंक-झोंक होती थी। यही कारण था कि दोनों में बनती नहीं थी।
2. चंदा उनका बीच-बचाव करने आ जाता जिससे सूरज और सागर का झगड़ा टल जाता था।
3. सूरज के ताप से जब सागर का पानी उबलने लगा तो सागर को बहुत गुस्सा आया और उसने सूरज को डुबोना चाहा।
4. चंदा और सूरज जब सागर से डरकर भागे तो सागर उनके पीछे भागा। थोड़े ही समय में सारी धरती पर सब जगह जल-ही-जल भर गया।
5. सूरज, चंदा और सागर जब बहुत दिनों बाद मिले तो एक-दूसरे के गले मिलकर वे खूब रोए।
6. सूरज और चंदा के आँसू तारों के रूप में बदल गए और सागर के आँसू बारिश की बूँदों के रूप में।

(ग) बच्चे पाठ पढ़ चुके हैं।
- बच्चों से मौखिक रूप में उत्तर जानें।
- उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएँ।

1. सागर 2. चंदा 3. सागर 4. आसमान 5. शीतल
6. आकाश 7. बारिश

(घ) इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। इससे बच्चों का शब्द-ज्ञान बढ़ेगा।

1. सूरज, सूर्य 2. चंदा, चाँद 3. वृक्ष, पेड़

(ङ) बच्चों को एक और अनेक का ज्ञान दें।
- उनके आसपास के उदाहरण द्वारा उन्हें समझाएँ कि एक के लिए क्या लिखते हैं और एक से ज़्यादा के लिए क्या लिखते हैं?

1. दिनों 2. तारे 3. बूँदें 4. पेड़ों

(च) बच्चों को विराम चिह्नों के बारे में बताएँ।
- पढ़ते समय उनके प्रयोग के महत्व को बताएँ।

1. (।) 2. (?) 3. (?) 4. (।)

रचनात्मक कार्य

(छ) इससे बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्हें चंद्रमा की विविध कलाओं के चित्र दिखाएँ तथा जो उन्हें पसंद हो, वही बनाने को कहें।
– इससे बच्चों की रचनात्मकता उजागर होगी।

पाठ 12. मीठे बोल

मौखिक कार्य

(क) 1. रामधन एक गड़रिया था।
2. रामधन को किसी काम से कुछ दिनों के लिए शहर जाना पड़ा।
3. चंदर ने समझा कि कोई बालक उसकी नकल कर रहा है।
4. चंदर ने पहाड़ी के बालक के बारे में अपने दादा जी को बताया।

लिखित कार्य

(ख) 1. चंदर रामधन गड़रिये का बेटा था।
2. रामधन के परिवार में उसकी पत्नी सुखिया, बेटा चंदर और उसके पिता सुखराम रहते थे।
3. दादा जी ने चंदर को भेड़ें चराने के लिए पहाड़ी पर भेजा।
4. पहाड़ी पर पहुँचकर चंदर ने गाना गाना शुरू कर दिया।
5. चंदर समझ नहीं पा रहा था कि कोई बालक उसे चिढ़ा रहा है या उसकी ही आवाज़ पहाड़ी से टकराकर वापस आ रही है।
6. चंदर के दादा जी ने समझाया कि उस पहाड़ी पर कोई बालक नहीं है बल्कि तुम जो कहते हो उसकी गूँज घाटी में उठती है।
7. हमें दूसरों के साथ हमेशा मीठा बोलना चाहिए क्योंकि जैसा हम दूसरों से बोलेंगे, वैसा ही लोग हमारे साथ बोलेंगे।

(ग) 3. 6. 5. 2. 1. 4.

(घ) 1. प्रकाश, प्रगति 2. किस्सा, हिस्सा 3. प्यास, प्यार

(ङ) 1. हमेशा 2. जवाब 3. गूँज 4. विश्वास 5. पहाड़ी 6. शब्द

(च) बच्चों को नए शब्दों से परिचित करवाएँ।
- उनकी वर्तनी और उच्चारण पर ध्यान दें।

2. समझी 3. लड़की 4. प्यारी 5. हरी 6. दूसरी

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चों को कक्षा में अपने विचार बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

(झ) इस कार्य से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी, सामाजिक कुशलता संबंधी व अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चे दिए गए चित्र को समझें।
- पहेली को सुलझाने के लिए पेंसिल से रेखा खींचें ताकि गलत होने पर मिटाकर दोबारा आगे बढ़ा जा सके।
- सबसे पहले सही राह चुनने वाले बच्चे को एक हँसता चेहरा ☺ इनाम में दें।

पाठ 13. खिलौनेवाला

मौखिक कार्य

(क) 1. खिलौनेवाला बच्चों को सीटी, बाजा, भालू व रंग-बिरंगे खिलौने लेने को कह रहा है।
2. कुत्ता हमारे घर की रखवाली करता है।
3. बंदर छोटा-सा है और हाथी मोटा-सा।
4. खिलौनेवाला बच्चों से कहता है कि यदि पैसे नहीं हैं तो कोई बात नहीं, बाद में कभी भी दे जाना।

लिखित कार्य

(ख) 1. खिलौनेवाला बच्चों को मुन्नी तथा राजा कहकर बुला रहा है।
2. खिलौनेवाले का भालू छम-छम नाच दिखाता है।
3. खिलौनेवाला बता रहा है कि उसका शेर गरजने वाला है।
4. हम अपने घर की रखवाली के लिए कुत्ता पालते हैं।
5. हाथी झूम-झूमकर गाएगा और बंदर पेड़ों पर चढ़ जाएगा।

(ग) बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें।
- कविता कंठस्थ होने के बाद ही बच्चे पंक्तियाँ पूरी करें।
- अध्यापक/अध्यापिका जाँचने के बाद सुधार कार्य भी करें।

1. रंग-बिरंगे खिलौने मैं लाया,
क्या यह भालू तुम्हें न भाया?

(घ) कविता को लयात्मक बनाने के लिए ऐसे शब्दों की आवश्यकता होती है।
- बच्चों से स्वयं लिखने को कहें।
- श्यामपट्ट पर अपनी इच्छा से कोई भी शब्द लिखें।

1. राजा 2. छोटा 3. भाया 4. चलाओ 5. मटकाए 6. गाए

(ङ) 2. गरजने वाला 3. सीधा 4. छोटा 5. मोटा

(च) 2. पतला 3. बड़ा 4. उतरना

(छ) तुकात्मक शब्दों का परिचय दें।
- बच्चे नए शब्दों को जानेंगे।
- उन्हें उनके उच्चारण स्पष्ट कर बताएँ।

1. नाच-नाचकर, गा-गाकर 2. टप-टप, ठक-ठक

रचनात्मक कार्य

(ज) इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी एवं अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चे अपनी पसंद के खिलौनों के बारे में बताएँ।

- हर बच्चा अपनी पसंद के खिलौनों की चर्चा करे।
- एक दिन सभी अपने-अपने खिलौने लेकर आएँ।
- कक्षा में वे अपने खिलौनों से दूसरों को खेलने दें व उनके खिलौनों से खुद खेलें।

(झ) इससे बच्चों की कलात्मक अभिव्यक्ति उजागर होगी तथा रंगों के प्रति उनका आकर्षण बढ़ेगा। रंग भरवाने में उनकी मदद करें।

पाठ 14. हमारा राष्ट्रीय झंडा

मौखिक कार्य

(क) 1. तिरंगा
2. अशोक चक्र
3. सभी राष्ट्रीय पर्वों पर देश के प्रत्येक भाग में झंडा फहराया जाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. राष्ट्रीय झंडे के सम्मान की रक्षा के लिए हम अपने प्राणों की बाज़ी लगाने से भी पीछे नहीं हटते।
2. भारतीय तिरंगे में ऊपर केसरिया, बीच में सफ़ेद तथा नीचे हरा रंग है।
3. झंडे का केसरिया रंग हमारे त्याग और वीरता की गाथा गाता है।
4. झंडे के बीच सफ़ेद रंग शांति का प्रतीक है।
5. झंडे का हरा रंग हमें देश की हरियाली व खुशहाली का संदेश देता है।

(ग) बच्चों ने पाठ को ध्यान से पढ़ा है या नहीं, यह परखने के लिए यह अच्छा प्रश्न है। उनसे सही या गलत पूछें।
1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही 6. सही

(घ) 2. सच्चे 3. बच्चे 4. पंखे 5. हरे 6. केले

(ङ) 1. झंडा 2. अशोक 3. सफ़ेद 4. कृषि 5. सम्मान

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(छ) बच्चों को राष्ट्रीय पक्षी मोर के विषय में बताएँ–
- वह कैसा होता है?
- उसका रंग-रूप-आकार कैसा होता है?
- उसके पंख कैसे होते हैं?
- उसके पैर कैसे होते हैं?

पाठ 15. लक्ष्मीबाई

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक / लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इसे बच्चे स्वयं करें।
   - बच्चे अपनी सोच से इन दोनों के बारे में लिखें।
   - सूरज दिन में क्यों चमकता है?
   - चंदा रात को क्यों निकलता है?
   - इससे बच्चों की अभिव्यक्त करने की क्षमता बढ़ेगी।
2. इस गतिविधि से बच्चों की तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को बताएँ कि ध्वनि की गूँज किस प्रकार उठती है।
   - अगर संभव हो तो खाली कमरे में उठने वाली ध्वनि सुनवाएँ।
3. इस गतिविधि से बच्चों की अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपना चित्र लगाकर अपने बारे में लिखें।
   - बच्चों को समझाएँ कि अपनी तारीफ़ किस प्रकार की जा सकती है।
   - कक्षा में बच्चों को मौखिक रूप से अपनी अच्छाई बताने को कहें।
   - सभी बच्चे जानें कि कौन क्या-क्या कह रहा है।
4. बच्चों को अशोक चक्र के विषय में बताएँ। इसी बहाने उन्हें इतिहास संबंधी रोचक जानकारी भी दें।

(ख) क्रियाकलाप

1. यह एक मौखिक गतिविधि है।
   - इससे भाषा पर बच्चों की पकड़ मज़बूत होगी।
   - उनके उच्चारण बेहतर होंगे।
   - उनमें आत्मविश्वास जागेगा।
   - वे बेहतर वाक्य रचना सीख पाएँगे।
   - इससे उनकी रचनात्मकता का भी विकास होगा।
   - भाषा के प्रति उनमें लगाव उत्पन्न होगा।
2. इस गतिविधि से बच्चों की तर्क-वितर्क संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

   1. चाचा 2. मामा 3. बुआ 4. ताऊ 5. दादा 6. नाना
   7. फूफा 8. मामी 9. ताई

पाठ 16. बगुले की धूर्तता

मौखिक कार्य

(क) 1. धूर्त 2. बुढ़ापे के कारण
3. अपने खाने की व्यवस्था के उपाय के कारण।
4. केकड़े ने उन सबकी जान बचा दी थी इसलिए वे सब अपने भाग्य को सराहने लगे।

लिखित कार्य

(ख) 1. बगुले ने कहा कि वे सब मारे जाएँगे क्योंकि जिस तालाब में वे रहते हैं वह सूखने वाला है।
2. उसने उन्हें जान बचाने के लिए अपनी पीठ पर बैठाकर दूसरे तालाब में पहुँचाने की तरकीब बताई।
3. बगुला प्रतिदिन एक मछली को अपनी पीठ पर बैठाकर ले जाने लगा और पास की चट्टान पर बैठकर उसे मारकर खाने लगा।
4. रास्ते में केकड़े ने जब मछलियों की हड्डियाँ देखीं तो उसे सारा मामला समझ में आ गया।
5. केकड़े ने बगुले के पंख काटने शुरू किए परंतु बगुला माफ़ी माँगने लगा और आगे ऐसी धूर्तता न करने का वादा करने लगा तो केकड़े ने उसे माफ़ कर दिया।
6. छल करने का परिणाम अंततः कष्टदायक ही होता है इसलिए हमें किसी के साथ छल नहीं करना चाहिए।

(ग) 1. बगुले ने 2. केकड़े ने 3. बगुले ने 4. केकड़े ने

(घ) 1. जंगल 2. बगुला 3. युक्ति 4. पीठ 5. मछली
6. प्रसन्न 7. धूर्तता 8. गर्दन

(ङ) बूढ़ा-जवान; दिन-रात; समीप-दूर; सूखा-गीला; प्रसन्न-अप्रसन्न

रचनात्मक कार्य

(च) इसे बच्चे स्वयं करें। संवाद-लेखन में बच्चों का मार्गदर्शन करें।

पाठ 17. धरती का स्वर्ग–भारत

मौखिक कार्य

(क) 1. धरती का स्वर्ग हमारे भारत देश को कहते हैं।
2. हमारे देश की प्राकृतिक सुंदरता को देखकर सारी दुनिया हैरान रह जाती है।
3. हमारे राष्ट्रीय झंडे का नाम तिरंगा है।

लिखित कार्य

(ख) 1. हमारे देश का नाम भारत है।
2. हमारे देश के उत्तर में हिमालय पर्वत है।
3. हमारे देश में जन्मे महापुरुषों ने अपने कार्यों से देश का गौरव बढ़ाया है।
4. यहाँ के लोग सभी त्योहार एक साथ मनाते हैं। ईद और होली में सब एक-दूसरे के गले मिलते हैं। हमारे देश की निराली एकता को देखकर सारी दुनिया हैरान रह जाती है।
5. विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।
6. जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।

(ग) 1. स्वर्ग कहते हैं। 2. बर्फ़ से ढका रहता है।
3. सारी दुनिया हैरान रह जाती है। 4. देते हुए राष्ट्रगान गाते हैं।

(घ) 1. भारत 2. हिमालय, पर्वत 3. ईद, होली 4. झंडा

(ङ) वर्तनी के अभ्यास के लिए कठिन शब्दों को तीन-तीन बार लिखना आवश्यक है।
- बच्चों से पाठ में से कुछ और कठिन शब्द छाँटकर लिखने को कहें।
- बच्चों को श्रुतलेख दें। कॉपी जाँचकर सुधार कार्य अवश्य करवाएँ।

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(छ) इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। बच्चों को उन भारतीय महापुरुषों के बारे में और जानकारी दें, जिनके पोस्टर उन्होंने लगाए हैं।

पाठ 18. सरपट दौड़ी मेरी गाड़ी

मौखिक कार्य

(क) 1. नवल साझापुर गाँव में रहता था।
2. वाहनों के धुएँ से नवल की आँखें जलने लग जाती थीं।
3. सीएनजी के चमत्कार से सड़कों से धुआँ गायब हो गया।
4. नवल ने गाँव में सबसे पहले सीएनजी किट लगवाई।

लिखित कार्य

(ख) 1. साझापुर गाँव में सूत से कई प्रकार की वस्तुएँ बनाई जाती थीं। नवल पढ़ा-लिखा व्यक्ति था अत: हर वर्ष वह उन वस्तुओं को शहर तक पहुँचाने जाया करता था।
2. नवल को शहर में हर बार कुछ न कुछ बदलाव दिखाई देता था। कभी कोई नई बनी सड़क दिखती, तो कभी कोई नया पुल दिखाई देता।
3. यात्री ने नवल को बताया कि सीएनजी वह गैस है जिससे वाहन चलाने पर खर्च कम आता है। एक बात और, इस गैस से चलने वाले वाहनों से प्रदूषण तो होता ही नहीं। फिर प्रदूषण से होने वाले रोग और समस्याएँ, जैसे – आँखों में जलन, साँसों का फूलना, गला खराब होना, उबकाई आना आदि होने का तो सवाल ही नहीं उठता।
4. आँखों में जलन, साँस लेने में परेशानी, साँस का फूलना, गला खराब होना, उबकाई आना आदि रोग प्रदूषण से होते हैं।
5. नवल ने शहर से लौटकर गाँव में भी सभी वाहन सीएनजी से चलवाने के लिए दौड़-धूप शुरू कर दी। कभी पंचों से मिलता, उन्हें सीएनजी के बारे में बताता, तो कभी ग्रामप्रधान के पास जाता। अंतत: अपने प्रयत्नों से उसने गाँव में एक सीएनजी पंप लगवा लिया और सबसे पहले अपनी माल ढोने वाली गाड़ी में सीएनजी किट लगवाई।

(ग) 1. नवल ने सहयात्री से
2. सहयात्री ने नवल से
3. यात्री ने नवल से

(घ)

इंजन	पंप	गाँव	धुआँ	अंदर	साँस
आँख	मुँह	पंच	नहीं	जंगल	ऊँची

(ङ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(च) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- बच्चे कक्षा में इस विषय पर चर्चा करें।
- सीएनजी से दिल्ली शहर में होने वाले परिवर्तन पर चर्चा करें।
- सीएनजी चालित गाड़ी और पेट्रोल तथा डीज़ल चालित गाड़ी में क्या अंतर है?
- क्या उनके घर जो गाड़ी है उसमें सीएनजी लगी हुई है?

पाठ 20. ऋतुएँ रंग-बिरंगी

मौखिक कार्य

(क) 1. गरमी में शरबत पीना अच्छा लगता है।
2. काले बादल वर्षा लाते हैं।
3. वसंत ऋतु में धरती दुलहन बन जाती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. गरमी में धरती तप जाती है और कड़ी धूप हमें बहुत तड़पाती है।
2. वर्षा ऋतु में काले बादल छा जाते हैं। पानी बरसता है। गली-गली में पानी भर जाता है। लोग छाता लेकर निकलते हैं।
3. सरदी में गुड़, चना और गन्ने खाने का मन करता है।
4. पत्ते पतझड़ ऋतु में झड़ते हैं।
5. वसंत आने पर वन-उपवन सँवर जाते हैं। धरती दुलहन बन जाती है और कोना-कोना सज जाता है।
6. वसंत के आने पर धरती के वन-उपवन सज-सँवर जाते हैं जिससे धरती दुलहन बन जाती है।

(ग) बच्चे कविता याद कर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। वर्तनी की शुद्धता पर अवश्य ध्यान दें। बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें।

1. वर्षा आती, बादल आता,
झम-झम-झम पानी बरसाता।
2. जंगल की सुंदरता सारी,
पतझड़ से जाती है मारी।
3. धरती बन जाती है दुलहन,
कोना-कोना है सज जाता।

(घ) 1. तड़प 2. वृक्ष 3. पानी 4. धरती 5. वन 6. कथा

(ङ) 1. आई 2. दौड़ा 3. आते हैं 4. जाता है 5. बरसाता है

(च) 2. कुर्ता 3. सर्दी 4. कुर्सी 5. दर्ज़ी 6. पर्दा
7. बर्फ़ 8. गर्दन

(छ) 1. ठंडा 2. सुंदरता 3. पतझड़ 4. सँवर 5. दौड़ 6. गुड़

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) इस रचनात्मक कार्य से बच्चों की तर्क-वितर्क संबंधी तथा चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- बच्चे चित्रों में दी गई वस्तुओं के नाम मौखिक रूप से बताएँ।
- अध्यापक/अध्यापिका उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।

- वर्तनी पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- दिए गए चित्रों पर कक्षा में चर्चा कर उनकी उपयोगिता बच्चों से जानें व स्वयं भी बताएँ।

1. कोट	(सरदी)	2. आग	(सरदी)	3. शरबत	(गरमी)
4. रेनकोट	(वर्षा)	5. ऊनी दस्ताने	(सरदी)	6. कूलर	(गरमी)
7. छाता	(वर्षा)	8. स्वेटर	(सरदी)	9. तरबूज	(गरमी)
10. गन्ने	(सरदी)	11. पंखा	(गरमी)	12. आइसक्रीम	(गरमी)

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को अपने मित्रों में अच्छी बातें देखना सिखाएँ।
   - इस दुनिया में ऐसे मित्र होते हैं जो मुसीबत में मित्र की सहायता करते हैं।
   - बच्चे मित्रों के नाम के साथ यह भी लिखें कि उस मित्र ने उसकी क्या सहायता की।
   - सभी बच्चे कक्षा में अपने अनुभव सुनाएँ।
2. इस गतिविधि से बच्चों की सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - वे अपने देश में क्या-क्या अच्छी बातें देखते हैं, उसपर चर्चा करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की बताई बातों को श्यामपट्ट पर लिखें।
   - इस प्रकार भारत की सभी विशेषताएँ स्पष्ट हो जाएँगी।
   - देश के झंडे पर गर्व करने की बात कहें।
   - उसका सम्मान करने की बात कहें।
   - बच्चों को बताएँ कि इसे 15 अगस्त को लालकिले पर फहराया जाता है।
3. इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपनी पसंद के मौसम के बारे में लिखें।
   - मौसम क्यों पसंद है, यह भी बताएँ।
   - मौसम क्या परिवर्तन लाता है, यह बताएँ।
   - बच्चों के साथ इस विषय पर अध्यापक/अध्यापिका चर्चा करें।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बिंदुओं को मिलाकर बच्चे चित्र बनाएँ।
   - अब तक बच्चे चित्र बनाना जान गए हैं। अतः इस गतिविधि को करने में उन्हें आनंद का अनुभव होगा।

- चित्र बना लेने के बाद उसमें रंग भरवाएँ।

इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

2. कक्षा में भारत का राष्ट्रीय झंडा लाकर बच्चों को दिखाएँ। बच्चे उसी के अनुसार झंडे में रंग भरें। देश के झंडे पर गर्व करने और उसका सम्मान करने की बात कहें। बच्चों को बताएँ कि इसे 15 अगस्त को लालकिले पर फहराया जाता है।
3. बच्चों को चारों दिशाओं के नाम बताएँ – पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण। एक बच्चे को खड़ा करके इन दिशाओं का ज्ञान दिया जा सकता है।
4. इस क्रियाकलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे सीएनजी के बारे में जानकारी प्राप्त करें।
   - यदि उनके पिता जी ने गाड़ी में सीएनजी लगवा रखी है तो वे अपने पिता से जानकारी प्राप्त करें।
   - सीएनजी स्टेशन जाकर भी वे इस बारे में पता लगा सकते हैं।
   - इससे बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इस पाठ को बच्चे एकांकी के रूप में भी खेल सकते हैं।
5. इसे बच्चे स्वयं करें। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।